बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २००८)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) | **सत्संग प्रवीण - १** | **कुल गुण : १००**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - प्रथम संस्करण, अप्रैल-२००३

प्रश्न.१. निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (६ गुण)

१. उपासना का महत्व । २
२. परब्रह्म पुरुषोत्तम नारायण - एक एवं अद्वितीय । ५१
३. अक्षर और पुरुषोत्तम का परस्पर सम्बंध । ११९
४. गुणातीत संत की महिमा - श्रीजीमहाराज के शब्दो में । ९२

प्रश्न.२. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (५ गुण)

१. जिनके पास ज्ञानदृष्टि है, उनके लिए तो भगवान कभी भी परोक्ष नहीं होते । ८३
२. दूसरा कोई ऐसा उपदेश नहीं दे सकता । जिसका ज्ञान वर्तन में न बदला हो, वह भला क्या बोल सकता है ? १४४
३. समस्त ब्रह्मांडों की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय का कर्ता भी मैं ही हूँ । ८
४. भगवान को निर्दोष समझने से ही निर्दोष हो चुका है । २८
५. भगवान अरूप, ज्योतिस्वरूप, निर्गुण और सर्वत्र व्यापक हैं । १६

प्रश्न.३. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (४ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरी । ३५

(१) ☐ वहाँ भी मैं ही पुरुषोत्तम हूँ । (२) ☐ मैंने अपने सिवा दूसरा कोई बड़ा नहीं देखा ।

(३) ☐ हम तो हमारे गुरु रामानंद स्वामी का भजन करवाते हैं । (४) ☐ मूळ मायाना बंधन कापवा आव्या ।

२. उत्पत्ति का सही क्रम कौन सा है ? ४९

(१) ☐ ब्रह्मा-मरीच्यादिक प्रजापति-कश्यप प्रजापति । (२) ☐ परब्रह्म-अक्षरब्रह्म-अक्षरपुरुष + महामाया ।

(३) ☐ प्रधानपुरुष-विराटपुरुष-मन-इन्द्रियों के देवता । (४) ☐ इन्द्रादिक देवता-स्थावर-जंगम सृष्टि-दैत्य ।

प्रश्न.४. निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (४ गुण)

१. अनादि मुक्तों से भी अधिक सामर्थी अक्षरब्रह्म की है । १४१
२. मालजी सोनी को गुणातीतानंद स्वामी अक्षरब्रह्म हैं ऐसा परिचय हुआ । १३९
३. महाराज के स्वरुप में परमहंसों की सर्वोपरि निष्ठा की दृढ़ता । ५९

प्रश्न.५. किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (८ गुण)

१. गुणातीत संत की महिमा - परमहंसों के पदों में । ९६
२. जो मूर्तिमान हैं वह व्यापक कैसे हैं ? २०
३. अक्षर और पुरुषोत्तम के बीच समान गुणधर्म । १२२
४. प्रगट भक्ति - शान्ति का पथ । ७४

प्रश्न.६. निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (८ गुण)

१. वेदादि चार शास्त्रों द्वारा भगवान के स्वरुप को समझ लेता है, तभी उसे भगवान के सम्पूर्ण स्वरुप का ज्ञान होता है । १७
२. सर्व कर्ता भगवान हैं, ऐसी दृढता होने से बुद्धि स्थिर रहती है । १०
३. शीतलदास व्यापकानंद बने । ५२
४. स्वामिनारायणीय उपासना में अक्षरब्रह्म का विशिष्ट स्थान है । १०५

प्रश्न.७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । (७ गुण)

(उपासना में क्या समझना ?)

१. श्रीजीमहाराज सदा ही अपने ..... निर्गुण कर देते हैं । १५५
२. हमारी उपासना ..... दो चरण की ही है । १५६
३. अक्षरब्रह्म एक ही है ..... सेवक के रुपमें रहता है । १५६
४. अक्षरब्रह्म का सार्धम्य ..... अंत में तीनों रहते हैं । १४७

(उपासना में क्या न समझना ?)

१. मुक्तों की आत्मा ..... प्राप्त नहीं करती, ऐसा नहीं समझना चाहिए । १५८
२. मुक्त और अक्षरब्रह्म ..... नहीं समझना चाहिए । १५८
३. अक्षरब्रह्म और ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । १५८

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १५ जून, २००८; परीक्षा - सत्संग प्रवीण - १; माध्यम - हिन्दी; समय - सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

६०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केन्द्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केन्द्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहनेवाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.८. विस्तृत नोंध लिखिए । **(५ गुण)**

अवतार कितने हुए हैं ? वे सब समान हैं ? या उनमें कोई भेद हैं ? ६२

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम संस्करण, नवम्बर २००२
और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - प्रथम संस्करण, नवम्बर २००३

प्रश्न.९. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''एकबार मैंने जो अमृत पी लिया है, अब उसकी ऊलटी कैसे हो सकती है ?'' (स.वा.भा.-३) **अथवा** ७४
२. ''मैं सुनती रहूँ, इससे क्या लाभ ?'' (स.वा.भा.-३) ५६
३. ''यदि आपको यहाँ कोई पहचाने ही नहीं, ऐसे बना दें तो ?'' (स.वा.भा.-३) **अथवा** ३९
४. ''मैं उनसे मिलने के लिए आया हूँ ।'' (युगविभूति) ४७
५. ''यदि कोई व्यसन हो तो छोड़ देना ।'' (युगविभूति) **अथवा** २६
६. ''गलियों में, सडकों पर और दूर-दूर जाकर आपकी संस्था ने इस जटिल समस्या के निराकरण हेतु कोई कार्य किया है ?'' (युगविभूति) ५९

प्रश्न.१०. निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **(८ गुण)**

१. रघुवीरजी महाराज ने सभा मे कहा, ''गुणातीतानन्द स्वामी ही बातें करेंगे ।'' (स.वा.भा.-३) **अथवा** ५२
२. महाराज ने मुक्तानन्द स्वामी को धर्मपुर जाने की आज्ञा दी। (स.वा.भा.-३) ५८
३. दलुभाई मदारी हर्ष से नाच उठा । (युगविभूति) **अथवा** ३५
४. साधुजीवनस्वामी के हृदय में करुणामूर्ति संत की अपार आत्मीयता अंकित हो गई । (युगविभूति) ४०

प्रश्न.११. निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **(८ गुण)**

१. पर्वतभाई की हरिभक्तों के साथ आत्मबुद्धि । (स.वा.भा.-३) **अथवा** ६६
२. बडौदा के विष्णुयाग में गोपालानंद स्वामी । (स.वा.भा.-३) ५
३. सेवक कौन है ? (युगविभूति) **अथवा** २२
४. कष्ट कोई अभिशाप था अथवा जीवन के अमूल्य आनन्द का सुयोग था । (युगविभूति) ५३

प्रश्न.१२. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. जामनगर के विद्धानों की सभा में मुक्तानंद स्वामी ने क्या प्रस्थापित किया ? (स.वा.भा.-३) २४
२. ब्राह्मणों ने इड़र के राजा से क्या बिनती की ? (स.वा.भा.-३) ३
३. लालजी भक्त ने रेगिस्तान की सफर के लिए साथ में क्या क्या लिया ? (स.वा.भा.-३) ३७
४. प्रमुखस्वामी किस के प्रमुख हैं ? (युगविभूति) ११
५. प्रमुखस्वामी महाराज भविष्य के बारे में क्या बताते हैं ? (युगविभूति) ६०

प्रश्न.१३. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(८ गुण)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. शिवलाल सेठ की मुमुक्षता । (स.वा.भा.-३) ८१
(१) ☐ तेरे जीव के सामे देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है । (२) ☐ इस सभा में हड्डी कौन चबा रहा है ?
(३) ☐ तनिक भी दु:ख नहीं हुआ । (४) ☐ महाराज उसकी पूजा में आते थे ।

२. पर्वतभाई की मानसी पूजा । (स.वा.भा.-३) ६९
(१) ☐ मानसी में दहीं और बाटी खिलाते थे । (२) ☐ महाराज यह भोजन अंगीकार कर रहे थे ।
(३) ☐ मेरा तो नियम है । (४) ☐ पहले मेरे इष्टदेव भोजन ग्रहण करेगें तब मैं कर सकता हूँ ।

३. भगवान स्वामिनारायण द्वारा स्थापित की गई गुणातीत सत्पुरुषों की चिरंजीवी परंपरा । (युगविभूति) ६
(१) ☐ प्रागजी भक्त । (२) ☐ गोपालानंद स्वामी ।
(३) ☐ शास्त्रीजी महाराज । (४) ☐ तुलसीदास ।

४. प्रमुखस्वामी महाराज की निर्लोभता दर्शाते हुए प्रसंग । (युगविभूति) २२, २७, ३७, ४५
(१) ☐ स्वामीश्री ने शौचालयों की सफाई की ।
(२) ☐ मि. कार्लोस वेगा के साथ बातचीत ।
(३) ☐ दारेसलाम के हवाईअड्डे पर अधिकारियों को आश्चर्य का अनुभव हुआ ।
(४) ☐ स्वामीश्री ने चोर को मारने से मना किया ।

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१४. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्तियों में निबंध लिखिए । **(१५ गुण)**

१. गुरु की आवश्यकता एवं महत्ता । २. मन्दिर - ज्ञान और उपासनाना का केन्द्र ।
३. मंगलमूर्ति श्रीहरि ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १३ जुलाई, २००८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे ।

❋ ❋ ❋